11.11.24

Tender Heart High School Sector-33 B Chandigarh.

कक्षा - तीसरी विषय - हिन्दी व्याकरण

उपविषय - मुहावरे (Idioms)

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

सुप्रभात बच्चो !

यह कार्य कक्षा - तीसरी, विषय - हिन्दी व्याकरण उपविषय - 'मुहावरे' से लिया गया है।

बच्चो ! आज हम मुहावरों के बारे में पढ़ेंगे। मुहावरों को अंग्रेज़ी में Idioms कहते हैं। यह Topic आपके लिए नया है परन्तु यह बहुत रुचिकर है।

भाषा को प्रभावशाली, सुंदर तथा आकर्षक बनाने के लिए मुहावरों का प्रयोग किया जाता है। मुहावरों के माध्यम से हिन्दी भाषा में कम से कम शब्दों का प्रयोग करके अधिक-से-अधिक भावों को प्रकट किया जा सकता है। आपने अपनी पाठ्य-पुस्तक में कई बार मुहावरों के बारे में पढ़ा है। जैसे - पाठ - 5 में 'खुशी से झूम उठना' और पाठ - 8 में 'खुशी का ठिकाना न रहना।

मुहावरे वाक्य के अंश होते हैं। इनका अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं होता।

परिभाषा — वे वाक्यांश जो विशेष अर्थ प्रकट करते हैं, मुहावरे कहलाते हैं।

मुहावरे वाक्यों के ऐसे अंश होते हैं, जिनका विशेष अर्थ होता है; जैसे - 'हवा से बातें करना' एक

कक्षा - तीसरी विषय - हिन्दी व्याकरण

उपविषय - 'मुहावरे'

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

मुहावरा है, जिसका शाब्दिक अर्थ है - 'हवा से बातचीत करना' किन्तु इसका वास्तविक अर्थ है - 'बहुत तेज़ दौड़ना'। मुहावरे अपने विशेष अर्थ के कारण भाषा को प्रभावशाली बना देते हैं। मुहावरे के अंतिम शब्द के पीछे 'ना' लगा होता है। जैसे - उँगली उठाना, उल्लू बनाना, बातें बनाना।

बच्चो अब आपको 'मुहावरों' के बारे में काफी कुछ पता चल गया है। अब हम पाँच मिनट की ब्रेक लेंगे। ब्रेक में जाने से पहले मैं आप से कुछ प्रश्न पूछने जा रही हूँ जिनके उत्तर आप अपनी हिन्दी व्याकरण की नोटबुक में लिखोगे।

प्र०1. क्या मुहावरे सामान्य अर्थ देते हैं?

प्र०2. क्या मुहावरों का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।

प्र० 3. मुहावरों के अंत में क्या लगा होता है?

अब आप ब्रेक ले सकते हैं।

(ब्रेक का समय समाप्त)

बच्चो! अपने विषय को आगे बढ़ाने से पहले मैं आपको ऊपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर बता देती हूँ।

उ०1. नहीं, मुहावरे सामान्य अर्थ न देकर एक विशेष अर्थ प्रकट करते हैं।

उ०2. मुहावरों का अपना स्वतंत्र अस्तित्व नहीं होता। ये वाक्य के अंश होते हैं।

कक्षा - तीसरी विषय - हिन्दी व्याकरण

उपविषय - 'मुहावरे'

शिक्षिका - कल्पना शर्मा

उ०3. मुहावरों के अंत में 'ना' लगा होता है।

बच्चों! अब मैं आपको कुछ मुहावरे अर्थ सहित बताने जा रही हूँ। आप सब इन्हें ध्यान-पूर्वक सुनें।

मुहावरे		अर्थ
1) ईद का चाँद होना	→	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
2) पेट में चूहे कूदना	→	बहुत भूख लगना
3) आँख लगना	→	नींद आ जाना
4) अँगूठा दिखाना	→	साफ़ इंकार करना
5) खुशी का ठिकाना न रहना	→	बहुत खुश होना
6) नाक में दम करना	→	बहुत परेशान करना
7) कान पर जूँ न रेंगना	→	कोई असर न होना
8) घी के दीए जलाना	→	खुशियाँ मनाना
9) आग बबूला होना	→	बहुत गुस्सा करना
10) उल्लू बनाना	→	मूर्ख बनाना

कक्षा - तीसरी विषय - हिन्दी व्याकरण

उपविषय - 'मुहावरे'

शिक्षिका - कल्पना शर्मा

	मुहावरे		अर्थ
11.	उँगली उठाना	→	दोष लगाना
12	खून-पसीना एक करना	→	बहुत परिश्रम करना
13.	हवा से बातें करना	→	बहुत तेज़ दौड़ना

बच्चे ये थे - मुहावरे और उनके अर्थ।

गृहकार्य :- • ऊपर लिखे कार्य को सभी बच्चे अपनी हिन्दी व्याकरण की नोटबुक में लिखेंगे।
• उपर्युक्त कार्य को उच्च स्वर में पढ़ने का अभ्यास भी करेंगे।

आज का पाठ मैं यहीं समाप्त करती हूँ।
धन्यवाद।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]